शर्म-अल-शेख में प्रेस के साथ बातचीत में प्रधानमंत्री का उद्घाटन भाषण

16 जुलाई, 2009

मैं आज फ्रांस और मिस्र की यात्रा समाप्त कर रहा हूं और भारत लौट रहा हूं।

जैसा कि मैंने पहले कहा था, फ्रांस के राष्ट्रीय दिवस पर मुख्य अतिथि के रूप में भारत का शामिल होना, भारत की जनता के लिए सम्मान की बात है और यह हम सभी के लिए गर्व की बात है। राष्ट्रपति सर्कोजी के साथ विचार-विमर्श में उन्होंने पुनः पुष्टि की कि फ्रांस, भारत के साथ संबंधों को उच्च प्राथमिकता देता है। हमने आंतक की रोकथाम और रक्षा सहयोग के साथ-साथ अपने द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा की। राष्ट्रपति सर्कोजी ने स्पष्ट किया कि फ्रांस, भारत के साथ सभी क्षेत्रों में सहयोग, सिविल (पूर्ण असैनिक) परमाणु सहयोग के लिए तैयार है और इस सहयोग की कोई सीमा नहीं है। मैं निकट भविष्य में भारत में उनका स्वागत करने की प्रतीक्षा कर रहा हूं।

मिस्र में गुट निरपेक्ष आंदोलन की शिखर बैठक में आज के संदर्भ में इस आंदोलन के महत्व की पुनः पुष्टि की गई है। गुट निरपेक्ष आंदोलन विश्व के लगभग दो-तिहाई राष्ट्रों की प्रखर आवाज के रूप में उभरा है। हमारी बात ध्यान से सुनी गई है और मेरा विश्वास है कि हमने जो विचार रखे हैं, गुट निरपेक्ष आंदोलन में उन्हें व्यापक समर्थन मिला है।

संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं सहित अंतरराष्ट्रीय संरचना में निर्णय लेने की प्रक्रिया की समीचीन वास्तविकता के अनुरूप शुरूआत करने का शिखर सम्मेलन का आह्वान समूचे विश्व का इस मामले से संबद्ध होने का द्योतक है। मुझे खुशी है कि इस शिखर सम्मेलन में अंतरराष्ट्रीय आंतकवाद की कड़े शब्दों में निंदा करने और कारगर ढंग से इसका मुकाबला करने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग की हमारी मांग पर ध्यान दिया गया है।

मैंने इस शिखर सम्मेलन के अत्यंत सफल नेतृत्व के लिए राष्ट्रपति मुबारक को बधाई दी है। हमें विश्वास है कि मिस्र के योग्य एवं अनुभवी नेतृत्व में इस आंदोलन को नई गति और ऊर्जा मिलेगी।

इस सम्मेलन से अलग मैंने बांगलादेश और मलेशिया के प्रधानमंत्रियों, वियतनाम के राष्ट्रपति और फिलीस्तीनी नेशनल ऑथारिटी के अध्यक्ष से भी मुलाकात की। आज सुबह मैंने मिस्त्र के राष्ट्रपति मुबारक से मुलाकात की। मुझे आशा है कि आज शाम नेपाल के प्रधानमंत्री और श्रीलंका के राष्ट्रपति से मुलाकात होगी।

ये सभी देश हमारे निकटर्ती पड़ोसी देश हैं। मैंने देखा है कि भारत के साथ अपने संबंधों को आगे बढ़ाने की इन सभी देशों की समान इच्छा है। हमारे लिए यह अत्यधिक संतोष की बात है। हम अपनी पूरी क्षमता के साथ इनसे मित्रता निभाएंगे।

मैंने आज सुबह पाकिस्तान के प्रधानमंत्री गिलानी के साथ पर्याप्त विचार-विमर्श किया। इस बैठक के दौरान हमने भारत-पाकिस्तान संबंधों की वर्तमान स्थिति, इन संबंधों की भावी संभावनाओं और इन संभावनाओं को मूर्त रूप देने के लिए उठाए जाने वाले आवश्यक कदमों पर चर्चा की।

हमने एक संयुक्त वक्तव्य पर सहमति दी है जो आपके समक्ष उपलब्ध हैं।

मैं अपनी यात्रा और विश्व के नेताओं से विचार-विमर्श से संतुष्ट हो कर भारत लौट रहा हूं। जिससे हमारे राष्ट्रीय हितों को काफी बढ़ावा मिला है।

***